(a) अलगोजा (b) सतारा
(c) मशक (d) रबाज़

RPSC SI 03-09-2021

Ans. (d) : अलगोजा, सतारा और मशक सुषिर वाद्य यंत्र हैं। इन्हे मूँह से हवा फूँककर बजाया जाता हैं रबाज़ एक तत् वाद्य है, जिसमें तार बंधा होता हैं इन्ही तारों के माध्यम से सुरीली आवाजें निकाली जाती हैं।

376. निम्नलिखित में से कौन सा घन लोक वाद्य यंत्र नहीं है?

(a) मंजीरा (b) चींपिया
(c) बांकिया (d) हांकल

Kanisht Abhiyanta (Civil)-18.05.2022

Ans. (c) : बांकियां घन लोक बाद्य यंत्र न होकर सुषिर वाद्य यंत्र है। मंजीरा, चींपिया, हांकल घन लोक वाद्य यंत्र है। अन्य घन वाद्य यंत्र घुरालियों, घुँघरू, घड़ा, करताल, भरनी, रमझोल, झॉझ, झालर है। सुषिर वाद्ययंत्र में भूंगल, शंख, बांसुरी, रणभेरी, नागफनी इत्यादि है।

377. निम्नलिखित में से कौन सा मिलान सही नहीं है?

(a) रजब अली खान - वीणा वादक
(b) आमिर खान - सितार वादक
(c) अल्लाह जिलाई बाई - मांड गायक
(d) रवि शंकर - नड़ वादक

कनिष्ठ अनुदेशक कार्यशाला गणना एवं विज्ञान -2018

Ans. (b/d) : सही सुमेलित है-

वादक		**यंत्र**
रजब अली खान	-	वीणा वादक
आमिर खान	-	शास्त्रीय संगीत
अल्लाह जिलाई बाई	-	मांड गायिका
रविशंकर	-	सितार वादक

378. 'जंतर' वाद्य यंत्र किसके द्वारा बजाया जाता है?

(a) देवनारायण जी के भोपे (b) पाबू जी के भोपे
(c) गरासिया जाति (d) भील जाति

कनिष्ठ अनुदेशक कार्यशाला गणना एवं विज्ञान -2018

Ans. (a) : लोकदेवता देवनारायण जी की फड़ वाचन के समय जंतर वाद्य यंत्र को बजाते हुए भोपे इनकी कथा कहते हैं और गीत गाते हैं। वीणा की आकृति से मिलते इस वाद्य यंत्र में दो तुम्बे होते हैं। इसकी डाँड बाँस की होती है जिस पर एक विशेष पशु की खाल के बने 22 पर्दे मोम से चिपकाये जाते हैं।

379. चौतारा, कामायचा कौन से लोकवाद्य परंपरा से जुड़े हैं?

(a) सुषिर वाद्य (b) तत् वाद्य
(c) अवनद्ध वाद्य (d) घन वाद्य

उद्योग प्रसार अधिकारी -2018 (22 जुलाई, 2018)

Ans. (b) – चौतारा एवं कामायचा तत् वाद्य के लोकवाद्य परम्परा से जुड़े हैं। चौतारा लकड़ी एवं इस्पात से निर्मित एक तार वाद्य यंत्र है। इसका उपयोग अधिकतर 'कामड़' समुदाय द्वारा भक्ति गायन में लयबद्ध संगीत के लिए किया जाता है। कामायचा इस्पात, चर्मपत्र, आँत, घोड़े के नाल, शीशम एवं धातु से निर्मित तार वाद्य यंत्र है। इसका उपयोग 'मांगणियार, समुदाय द्वारा किया जाता है।

380. निम्नलिखित में से कौन सा एक तत् वाद्य का उदाहरण नहीं है?

(a) जन्तर (b) अलगोजा
(c) सारंगी (d) रावणहत्या

पुस्तकालय (लाइब्रेरियन) भर्ती परीक्षा- 2019

Ans. (b) – तत् वाद्य- यह तार वाले वाद्य यंत्र होते है। उन्हें कार्डोफ़ोन के रूप में भी जाना जाता है। इस वाद्य यंत्रों में तार के कम्पन से ध्वनी उत्पन्न होती है। कम्पन एक तार को खींच कर या खींचे गये कड़े तार पर उंगलियाँ फेरने से उत्पन्न होती है। तत् वाद्य यंत्र के अनेक उदाहरण है, जैसे- सितार, वीणा, संतूर, सरोदा, सारंगी, जन्तर, रावणहत्या आदि।

381. राजस्थान में कामड़ जाति के लोगों द्वारा निम्न में से कौन सा संगीत वाद्य बजाया जाता है?

(a) तन्दूरा (b) सुरिन्दा
(c) गुजरी (d) इनमें से कोई नहीं

पटवार -2020 (24 अक्टूबर, 2021) Shift-IV

Ans. (a) – तन्दूरा वाद्य यंत्र राजस्थान के कामड़ जाति के लोगों द्वारा रामदेवजी के भजन गाते समय बजाया जाता है। तंदूरा धातु और हल्की लकड़ी से निर्मित एक तार वाद्य यंत्र है। यह मुख्य रूप से राजस्थान के भक्ति और पारंपरिक गायन में उपयोग किया जाता है।

382. अलवर-भरतपुर के जोगियों द्वारा किस प्रकार की सारंगी बजाई जाती है?

(a) जोगिया सारंगी (b) सिंधी सारंगी
(c) जड़ी की सारंगी (d) गुजरातण सारंगी

पटवार -2020 (23 अक्टूबर, 2021)

Ans. (a) – अलवर-भरतपुर के जोगियों द्वारा भजन व लोक-कथाओं में जोगिया सारंगी बजाई जाती है। सिंधी सारंगी वाद्ययंत्र जैसलमेर व बाड़मेर जिलों की लंगा जाति का मुख्य वाद्ययंत्र माना जाता है।

383. रामनाथ चौधरी का संबंध किस वाद्य यंत्र से है?

(a) अलगोजा (b) पूंगी
(c) ढोलक (d) इनमें से कोई नहीं

पटवार-2020 (23 अक्टूबर, 2021)

Ans. (a) – जयपुर के पदमपुरा गाँव के प्रसिद्ध कलाकार रामनाथ चौधरी का संबंध अलगोजा नामक वाद्य यंत्र से है। अलगोजा राजस्थान का एक वाद्य यंत्र है। यह बांसुरी की तरह होता है जो बांस, पीतल और अन्य किसी धातु से बनाया जा सकता है। इसमें स्वरों के लिए निश्चित दूरी पर 4 से 6 छेद बने होते हैं। वादक दो अलगोजे को अपने मुँह में रखकर एक साथ बजाता है।

384. निम्न में से कौनसा तंत्र वाद्य नहीं है-

(a) रवाज (b) चौतारा
(c) सतारा (d) जंतर

Patwar-Exam-2016 (Main) -24.12.2016

Ans. (c) – राजस्थान के लोक संगीत में उपयोग किये जाने वाले तत् वाद्य यंत्र हैं–सारंगी, रावणहत्या, इकतारा, रवाज, भपंग, जंतर, मूचांग। सतारा, शुषिर वाद्य यंत्र है। अन्य सुषिर वाद्य यंत्र-पुंगी, अलगोजा, नड़, अलगोजा, शहनाई।

385. 'कमायचा' है-

(a) वाद्य यंत्र (b) लोक गीत
(c) लोक नृत्य (d) राजस्थानी बोली

कृषि पर्यवेक्षक -2021